

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 28 फरवरी, 2008

विषय: सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण एवं छात्रावास भवनों के जीर्णोद्धार के कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल के पत्र संख्या: एस0एस0जी0के0/एडम/05 दिनांक 18.12.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण व छात्रावास भवनों के जीर्णोद्धार के कार्य हेतु उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 अल्मोड़ा इकाई द्वारा गठित आंगणन रू0 223.60 लाख के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रू0 190.42 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित लागत के सापेक्ष रू0 68.90 लाख (रूपये अडसठ लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या-1010/XXIV-3/2007/02(20)2007, दिनांक 03.08.2007 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 165.36 लाख मात्र में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (2) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है।
- (4) एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
- (5) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

रूपि

क्रमशः.....2

2

- (6) कार्य कराने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा निरीक्षण के पश्चात् स्थल दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराया जाए।
- (7) निर्माण सामाग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामाग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामाग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- (8) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

2- उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के तहत सुसंगत नियमों के अन्तर्गत समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के पश्चात् किया जायेगा। जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी। उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा मदवार व्यय विवरण शासन को निर्धारित समय के अन्तर्गत उपलब्ध करा दिया जायेगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या -11 के अधीन लेखा शीर्षक- 2202- सामान्य शिक्षा- 02 - माध्यमिक शिक्षा -800 अन्य व्यय - आयोजनागत- 09 - सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, नैनीताल को अनुरक्षण/संचालन निधि हेतु अनुदान संख्या - 20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:- 835 (P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007, दिनांक 19.02.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव।

संख्या 2048(1)/XXIV-3/07/02(61)2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, जी उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री, जी उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- मण्डलायुक्त, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, नैनीताल।

अभिप्रेत

- 8- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 10- प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, जनपद नैनीताल।
- 11- परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि० अल्मोडा इकाई।
- 12- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय।
- 13- वित्त विभाग(अनुभाग-3) उत्तराखण्ड शासन।
- 14- कम्प्यूटर सेल, वित्त विभाग।
- 15- एन०आई०सी०सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 16- गार्ड फाइल।

अपिग

आज्ञा से,

(८९)

(पी०एल०शाह)

उप सचिव।